नमूना प्रश्न पत्र

हिन्दी (ऐच्छिक) (कोड संख्या- 002)

कक्षा -बारहवीं (2014-15)

निर्धारित समय - 3 घंटे **अधिकतम अंक - 100**

खंड-'क'

प्रश्न 1	**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-** कहते हैं जहाँ नदी नहीं, वहाँ सभ्यता व संस्कृति नहीं पनप सकती। यहाँ एक दूसरी त्रासदी है जिस नदी के किनारे भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति का विकास हुआ हो, जिस नदी को महाभारत में माँ की संज्ञा दी गई हो, जिसकों वेदों में देवी कहकर पुकारा गया हो, जिस नदी के किनारे गीता का उपदेश दिया गया हो, जो नदी भारतीय जनमानस की भावनाओं की संवाहिनी हो, आज से लगभग हजारों वर्ष पूर्व 'सरस्वती' नाम की यह नदी लुप्त हो चुकी है। ऋग्वेद में वर्णन मिलता है- एक विशाल नदी जो तीव्रता के साथ गर्जन करती हुई पर्वत से निकलकर समुद्र में विलीन होती थी, कालांतर में विलुप्त हो गई। सरस्वती नदी के किनारे जो सभ्यता एवं संस्कृति पनपी, वह आज भी प्रामाणिक तौर पर विद्यमान है। जनमानस की भावनाओं में आज भी सरस्वती उसी तरह से संचारित हो रही है। इस भव्य नदी के किनारे लगभग 10.22 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली विश्व की प्राचीन सभ्यता का जन्म हुआ। सरस्वती के उद्गम स्थल से लेकर अरब सागर के तट तक लगभग 1600 किलोमीटर लंबी नदी के किनारे से 6 हजार वर्ष पुराने लगभग 1200 स्थानों से अनेक पुरातात्त्विक अवशेष प्राप्त होते हैं। तत्कालीन समय में यह गर्जन करती हुई बहा करती थी। इसका उद्गम स्थल बंदरपूंछ उत्तराखंड था,जो हरियाणा के क्षेत्र से होती हुई राजस्थान से गुजरती हुई भाटनेर मरु भूमि में विलुप्त हो जाती थी जबकि इसकी दूसरी शाखा घग्गर के रूप में भारत में और हाकरा के रूप में पाकिस्तान में आज भी प्रवाहित होती है।	**15**
	क) सरस्वती नदी के बारे में वेद में क्या वर्णन किया गया है?	**2**
	ख) विश्व की प्राचीन सभ्यता कहाँ और कितने क्षेत्र में फैली थी?	**2**
	ग) भारतीय संस्कृति में 'सरस्वती' नदी को क्यों विशेष माना गया है?	**1**
	घ)'सरस्वती' नदी का उद्गम कहाँ माना जाता है और यह कहाँ विलुप्त हुई थी?	**2**
	ड़) विश्व की प्राचीन सभ्यता का जन्म किस नदी के किनारे हुआ? उस नदी की लंबाई कितनी थी?	**2**
	च) 'घग्गर' और 'हाकरा' के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।	**2**
	छ) महाभारत में किस नदी को 'माँ' की संज्ञा दी गई है? क्यों?	**1**
	ज) उक्त गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए।	**1**
	झ) 'संवाहिनी' शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए।	**1**
	ञ) नदियों के किनारे ही सभ्यता और संस्कृति का विकास क्यों संभव है?	**1**

प्रश्न 2	**निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-** खोदो, हल की नोकों से खोदो धरती! यह धरती श्रम करने वालों की है, श्रम पर निर्भर रहने वालों की है, जोतो, बोओ, काटो, फसलें काटो। फसलों के ही आंगन में लक्ष्मी रमती! खोदो, हल की नोंकों से खोदो-धरती! इस धरती पर सुख की छायाएँ हैं, इस धरती पर दुख की मायाएँ हैं, श्रम का औ, सुख का भाई-चारा है, श्रम से वंचित दुखों का मारा है, ढलती , श्रम के सांचे में इच्छा ढलती! खोदो, हल की नोंको से खोदो धरती! क) धरती किसकी है? काव्यांश के आधार पर लिखिए। ख) लक्ष्मी कहाँ रमती है? कैसे? ग) दुख की माया कब प्रभावित करती है? घ) 'खोदो धरती' से क्या आशय है? ड़) काव्यांश का मूल संदेश क्या है?	**5** **1** **1** **1** **1** **1**
	खंड- 'ख'	
प्रश्न 3	**निम्नलिखित विषयों में से किसी <u>एक विषय</u> पर निबंध लिखिए-** क) पावस ऋतु में पर्वतीय सौन्दर्य ख) राष्ट्रीय विकास में साक्षरता का योगदान ग) ''साँच बराबर तप नहीं, झूठ बराबर पाप'' घ) कंप्यूटर : वर्तमान काल की आवश्यकता	**10**
प्रश्न 4	बढ़ते आतंकवाद पर सरकार की ढुलमुल नीति की आलोचना करते हुए समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। **अथवा** दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेज में हिन्दी प्रवक्ता/प्राध्यापक के लिए आवेदन करते हुए पत्र लिखिए।	**5**
प्रश्न 5	**निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए-** क) मुद्रित जन संचार माध्यमों की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं? ख) रेडियो किस प्रकार का माध्यम है?	**5**

	ग) उल्टा पिरामिड शैली से क्या तात्पर्य है? घ) इंटरनेट पत्रकारिता से क्या आशय है? ड़) जनसंचार के प्रमुख माध्यम कौन-कौन से हैं?	
प्रश्न 6	रेडियो और टेलिविजन समाचारों की भाषा शैली की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए। **अथवा** समाचार लेखन में साक्षात्कार की क्या भूमिका होती है?	**5**
	खंड-ग	
प्रश्न 7	**निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-** एकसरि भवन पिआ बिनु रे मोहि रहलो न जाए। सखि अनकर दुख दारुन रे जग के पतिआए।। मोर मन हरि हर लए गल रे अपनो मन गेल। गोकुल तेजि मधुपुर बस रे कन अपजस लेल।। विद्यापति कवि गाओल रे धनि धरू मन आस। आओत तोर मन भावन रे एहि कातिक मास।। **अथवा** गीत गाने दो मुझे तो, वेदना को रोकने को। चोट खाकर राह चलते होश के भी होश छूटे, हाथ जो पाथेय थे, ठग- ठाकुरों ने रात लूटे, कंठ रुकता जा रहा है, आ रहा है काल देखो।	**8**
प्रश्न 8	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** क) सत्य के दिखने और ओझल होने से क्या तात्पर्य है? हम सत्य की पहचान कैसे कर सकते है? 'सत्य' कविता के आधार पर लिखिए। ख) 'बनारस' कविता में प्राचीनतम शहर बनारस का चित्रण किस प्रकार किया गया है? ग) 'रहि चकि चित्रलिखी सी' पंक्ति का मर्म अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।	**3+3=6**
प्रश्न 9	**किन्हीं दो काव्यांशों का काव्य सौंदर्य स्पष्ट कीजिए-** क) सब जाति फटी दुख की दुपटी कपटी न रहै जहँ एक घटी। निघटी रूचि मीचु घटी हूँ घटी जगजीव जतीन की छूटी चटी। अघओघ की बेरी कटी बिकटी निकटी प्रकटी गुरूज्ञान-गटी। चहुँ ओरनि नाचति मुक्तिनटी गुन धूरजटी जटी पंचबटी।।	**3+3=6**

	ख) श्रमित स्वप्न की मधुमाया में, गहन-विपिन की तरु-छाया में, पथिक उनींदी श्रुति में किसने- यह विहाग की तान उठाई। ग) यह प्रकृत , स्वयंभू, ब्रह्म, अयुत: इसको भी शक्ति दे दो यह दीप, अकेला, स्नेह भरा है गर्व भरा मदमाता, पर इसको भी पंक्ति दे दो।	
प्रश्न 10	**निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-** 'अपनी आँखों से जगह देखकर, अपने हाथ से चुनेहुए मिट्टी के ढेलों पर भरोसा करना क्यों बुरा है और लाखों करोड़ों कोस दूर बैठे बड़े-बड़े मिट्टी और आग के ढेलों-मंगल, शनिश्चर और बृहस्पति की कल्पित चाल के कल्पित हिसाबका भरोसा करना क्यों अच्छा है यह मैं क्या कह सकता हूँ? **अथवा** 'रूप की तो बात की क्या है। बलिहारी है इस मादक शोभा की। चारों ओर कुपित यमराज के दारुण नि:श्वास के समान धधकती लू में यह हरा भी है और भरा भी है, दुर्जन के चित्त से भी अधिक कठोर पाषाण की कारा में रुद्ध अज्ञात जलस्त्रोत से बरबस रस खींचकर सरस बना हुआ है।'	**6**
प्रश्न 11	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए- क) 'प्रेमघन की छाया स्मृति' शीर्षक की सार्थकता सोदाहरण सिद्ध कीजिए। ख) प्रकृति के कारण विस्थापन और औद्योगीकरण के कारण विस्थापन में क्या अंतर है? पाठ '' जहाँ कोई वापसी नहीं'' के आधार पर लिखिए। ग) 'बहुरिया' की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए पाठ'संवदिया' के आधार पर।	**4+4=8**
प्रश्न 12	'घनानंद' अथवा 'रघुवीर सहाय' के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी किन्हीं दो काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। **अथवा** 'रामचंद्र शुक्ल' अथवा 'भीष्म साहनी' के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी भाषाशैली की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।	**6**
प्रश्न 13	**किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए-** सूरदास के चरित्र की संघर्षशीलता और सकारात्मकता आपको किस प्रकार प्रेरित करती है? विपरीत परिस्थितियों का सामना करने में आप सूरदास के किस रूप को अपनाना चाहेंगे? **अथवा** लेखक अपने गाँव, अपने परिवार की गंध और स्नेह को कभी नहीं भूलता। 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के आधार पर आप अपने मातापिता, अपने गाँव या शहर के प्रति अपने प्यार और आभार को व्यक्त कीजिए।	**5**

प्रश्न 14	क) रुप भौतिक रुप से आगे बढ़कर भी स्वयं को अपने बड़े भाई भूपसिंह के सामने बौना क्यों महसूस करता था? आरोहण कहानी के आधार पर लिखिए। ख) अपना मालवा खाऊ- उजाड़ू सभ्यता में' लेखक को मालवा में पानी की कमी, अतिवृष्टि आदि का क्या कारण दिखाई देता है? उसे क्यों लगता है कि मालवा के पर्यावरण पर भी इस आधुनिक अपसभ्यता का प्रभाव है?	**5** **5**